Roll No. ________ Code No. Q-4261

SECOND SEMESTER EXAMINATION 2021-22

M.A. HINDI

Paper - I

e/;dkyhu dkO;

Time : 3.00 Hrs. Max. Marks : 80

Total No. of Printed Page : 03 Mini. Marks : 29

---

ukV % i'u i= rhu [k.Mk e foHkDr g A lHkh rhu [k.Mk d i'u fun'kkuqlkj gy dhft,A vdk dk foHkktu iR;d [k.Mk e fn;k x;k gA

[k.M & ^v*

vfry?kqmRrjh; i'u ¼vYi 'kCnk e½

प्र.1 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं छह प्रश्नों को हल कीजिये – **6x2=12**

(i) सूरदास के गुरू का नाम क्या है ?

(ii) 'पुष्टि मार्ग का जहाज' किस कवि को कहा जाता है ?

(iii) अष्टछाप के दो कवियों के नाम लिखिए।

(iv) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या है ?

(v) रामचरित मानस की भाषा क्या है ?

(vi) तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है ?

(vii) रसखान का असली नाम क्या है ?

(viii) रसखान ने किनसे दीक्षा ली ?

(ix) भूषण कवि के प्रमुख आश्रयदाता कौन है ?

(x) पद्माकर की काव्यभाषा क्या है ?

(xi) केशव की प्रमुख रचना का नाम लिखिए।

(xii) देव रीतिकाल की किस शाखा के अंतर्गत आते हैं ?

[k.M & ^c*

y?kqmRrjh; i'u ¼vYi 'kCnksa esa½

प्र.2 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों को हल कीजिये – **4x5=20**

(i) व्याख्या कीजिये – (संदर्भ प्रसंग सहित)

''जोग ठगोरी ब्रज न बिकैहैं ।
यह व्यौपार तिहारौ ऊधौ! ऐसोई फिरि जैंहे।
जापे लै आए हो मधुकर, ताके उन न समैहै।
दाख छांड़ि कै कटुक नि बैरी, को अपने मुख खैहैं ?
भूरी के पातन के कैना, को मुक्ताहल दैहै ?
सूरदास प्रभु गुनहिं छांड़ि कै, कौ निरगुन निरबैहैं ?''

अथवा

''हीन भए जल मीन अधीन
कहा कछु मो अकुलानि समानै ।
नीर सनेही को लाय कलंक,
निरासहै कायर त्यागत प्रानै।।
प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै,
जड़ मीति के पानी परे को प्रमानै।।
या मन की जु दसा घनआनन्द,
जीव की जीवनि जान ही जानै।''

(ii) सूर की भक्ति भावना पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिये।

(iv) भूषण के काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये।

(v) 'केशव को कठिन कविता का प्रेत' क्यों कहा जाता है ?

(vi) पद्माकर की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

[k.M & ^I*

nh?kmRrjh; i'u %&

प्र.3 निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों को हल कीजिये – **4x12=48**

(i) सूर के काव्य–सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

(ii) तुलसीदास के काव्य के कलापक्ष एवं भावपक्ष पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिये।

(iii) रीतिकालीन काव्य धारा के परिप्रेक्ष्य में घनानंद काव्य का मूल्यांकन कीजिये।

(iv) भक्तिकाल की राम भक्ति शाखा का वर्णन कीजिये।

(v) घनानंद की विरहानुभूति पर विचार व्यक्त कीजिये।

(vi) ''हिन्दी साहित्य में कृष्ण काव्य परंपरा और सूर का काव्य'' विषय पर निबंध लिखिए।

––00––